भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 795
24 जुलाई, 2026 को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन

795 **श्री आदित्य प्रसादः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत इस्पात क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय द्वारा कौन-कौन सी प्रमुख पहलें की गई हैं;

(ख) लौह एवं इस्पात उत्पादन में हाइड्रोजन-आधारित प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु तैयार किए गए कार्यान्वयन ढांचे का ब्यौरा क्या है;

(ग) पायलट परियोजनाओं के अंतर्गत किन-किन प्रौद्योगिकियों एवं इस्पात संयंत्रों को शामिल किया जाना प्रस्तावित है तथा उनकी अनुमानित उत्पादन क्षमता एवं भौगोलिक कवरेज क्या है; और

(घ) पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु प्रस्तावित निवेश तथा वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)**

(क) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत लौह एवं इस्पात क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग के लिए पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु इस्पात मंत्रालय को 455 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस्पात क्षेत्र में चार पायलट परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

(ख) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत इस्पात क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन के उपयोग हेतु पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए दिनांक 02.02.2024 को योजना दिशानिर्देश जारी किए हैं। योजना दिशानिर्देश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की वेबसाइट पर यूआरएल https://mnre.gov.in/en/hydrogen-schemes-guidelines/ पर उपलब्ध हैं।

जारी............2/-

(ग) और (घ): प्रमुख फोकस क्षेत्र/प्रौद्योगिकी, भौगोलिक स्थिति, संयंत्र क्षमता, परियोजना लागत और केंद्रीय वित्तीय सहायता के साथ प्रदान की गई पायलट परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र. सं.	**परियोजना**	**फोकस क्षेत्र/प्रौद्योगिकी**	**स्थान**	**संयंत्र की क्षमता**	**परियोजना की लागत**	**केंद्रीय वित्तीय सहायता**
1	परियोजना -1	कोयला/कोक की खपत को कम करने के लिए मौजूदा ब्लास्ट फर्नेस में हाइड्रोजन का उपयोग	बोकारो, झारखंड	3200 टन प्रति दिन (टीपीडी)	50 करोड़	25 करोड़
2	परियोजना -2		विद्यानगर, कर्नाटक	14500 टन प्रति दिन (टीपीडी)	70 करोड़	35 करोड़
3	परियोजना -3	प्राकृतिक गैस/अन्य रिड्यूसिंग गैस के आंशिक प्रतिस्थापन के लिए वर्टिकल शाफ्ट आधारित डीआरआई में हाइड्रोजन का प्रवेश	विद्यानगर, कर्नाटक	2880 टन प्रति दिन (टीपीडी)	30 करोड़	12 करोड़
4	परियोजना -4		अंगुल, ओडिशा	4800 टन प्रति दिन (टीपीडी)	28.44 करोड़	11.376 करोड़

*****